Natural Gas to import and sell LPG, Kerosene Oil etc. at maket determined prices under their own arrangements;

(b) whether under the LPG Order, 1993 and Kerosene Order, 1993 private parties desirous of entering this field are supposed to inform Government of their bonafides and capabilties to import, bottle and distribute LPG and Kerosene, before commencing their operations and submit monthly report afterwards;

(c) whether there have been complaints that most of thes companies are collecting crores of rupees as interest free security from customers; and

(d) whether Government would order a probe into such complaints and take appropriate action against the defaulting Companies?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA) : (a) According to the MRTP Commission, the Director General of Investigation and Registration has started investigation against 109 parallel marketeers. The parallel marketers are not required to obtain any approval from the Ministry of Petroleum and Natural Gas to import and sell LPG, kerosene or LSHS under the Parallel Marketing System.

(b) Yes, Sir.

(c) There were reports and complaints that some of the parallel marketeers were collecting deposits for appointment of dealers/distributors and registration of LPG consumers.

(d) The State and UT Govts. have been requested to prohibit collection of such deposits by parrallel marketeers without marketing adequate arrangements for supply of these products. Besides, they have also been advised to verify the genuineness, antecedents and capabilities of persons/agencies intending to take up activities under the parallel marketing system and to take appropriate action against persons who have been found indulging in fradulent and unfair trade practices. Public have also been suitably advised and warned through press releases that they must find out the antecedents, genuineness and capabilities of concerned parallel marketeers before intering into any agreement with them.

Evaluation of bids by ONGC

4771. SHRI B. K. HARIPRASAD : Will the Minister of PETROLEUM and NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that many major ONGC projects are bogged down due to litigation proceedings initiated by companies which had submitted bids for various tenders;

(b) if so, whether it is a fact that most of the complaints pertain to arbitrary evaluation of bids; and

(c) whether the ONGC would make the tender evaluation process a more transparent exercise thereby avoiding such legal tussles and the resultant delays in its project implementation ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA) : (a) No, Sir.

(b) and (c) The tenders in ONGC Limited are evaluated based on set procedure announced in the tender documents and hence there cannot be arbitrary evaluation of bids. The evaluation procedure is made known to the bidders in the tender document itself.

कच्चे तेल तथा अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कमी किया जाना

4772. **श्री राम जेठमलानी:**

श्रीमती सुषमा स्वराज: क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कच्चे तेल की कीमतें पिछले दो वर्षों से अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में लगातार कम हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1992-93 तथा 1993-94 के दौरान कच्चे तेल की वर्ष-वार औसत कीमत क्या थी, जिस पर कच्चे तेल की खरीद की गई थी;

(ग) क्या वर्ष 1994-95 के दौरान कीमतों में और कमी होने की संभावना है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार वर्ष 1994–95 के दौरान तेल की कुल खरीद की एक तिहाई मात्रा स्पॉट मार्किट से खरीदने का विचार रखती है;

(ङ) यदि नहीं तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और क्या सरकार अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतों में कमी को देखते हुए तेल तथा ऐसे ही अन्य उत्पादों की कीमतों में कमी लाने का विचार रखती है; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा):

(क) जी हां ।

(ख) 1992–93 और 1993–94 के दौरान खरीदे गए कच्चे तेल की औसत कीमत निम्नानुसार है :—

कच्चा तेल	अमेरिकी डालर प्रति बैरल
1992–93	17.88
1993–94 (अस्थायी)	14.65

(ग) और (घ) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमते, अनेक घटकों जैसे विश्वव्यापी मांग और आपूर्ति, उत्पादन कोटा पर ओपेक की अधिकतम सीमा, गैर-ओपेक देशों द्वारा उत्पादन, विश्व आर्थिक परिदृश्य आदि पर निर्भर करती है तथा बाजार की स्थितियों से लाभ उठाते हुए ये खरीदारियां की जाएंगी ।

(ङ) और (च) फिलहाल कोई ऐसा प्रस्ताव नहीं है क्योंकि अनेक उत्पादों पर राज सहायता देकर कीमतों को प्रशासित किया जाता है ।

मिट्टी के तेल और रसोई गैस की कीमत में प्रस्तावित वृद्धि

4773. **श्री दिलीप सिंह जवेद : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार वर्ष 1994 के वित्तीय बजट में रसोई गैस और मिट्टी के तेल की कीमतों में वृद्धि करने पर विचार कर रही है ;

(ख) क्या सरकार ने यह निर्णय मंत्रालय की सलाहकार समिति की सलाह पर लिया है ;

(ग) सरकार द्वारा कीमतों में कितने प्रतिशत की वृद्धि का विचार है ;

(घ) इस प्रस्तावित कीमतों वृद्धि का सामान्य व्यक्ति पर क्या प्रभाव पड़ेगा;

(ङ) क्या यह वृद्धि सरकार के नियंत्राधीन कम्पनियों के अलावा गैर-सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा उत्पादित रसोई गैस और मिट्टी के तेल की कीमतों में भी की जाएगी; और

(च) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के (राज्य मंत्री) (कैप्टन सतीश शर्मा) :

(क) वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है ।

(ख) से (च) प्रश्न नहीं उठता ।

Increase in fare and freight

4774. SHRI MD. SALIM : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) how many times his Ministry has increased the fare and freight since 1977;

(b) the details of such increase year-wise and in percentage details thereof;